केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २०१४ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१४ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

३. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

४. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''निश्चित ही आप अक्षर है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''सिर पर बाल नहीं रखने चाहिए ।''

३. ''आप इसे महान कार्य कहते हैं ?''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. परमात्मा की प्राप्ति करने के लिए मूर्ति पूजा एक साधन है ।

.....

.....

.....

.....

२. राजबाई की चुनरी में आग लग गई ।

३. श्रीजीमहाराज ने नाजा जोगिया को विश्वरूप दिखाया ।

प्र. ३ अहमदाबाद मन्दिर :- श्रीजीमहाराज - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. अंत:करण का अज्ञान कब दूर हो सकता है ?

.....

.....

२. रणदेबाई कौन थी ?

३. दामोदरभाई किस के शिष्य थे ?

४. श्रीजीमहाराज ने पत्र में गलुजी को क्या आज्ञा की थी ?

५. गोरधनभाई को किसने समाधि लगवा दी ?

प्र. ५ 'कल्याण के लिए .....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. हम सभी श्रीजी की .....

..... मुक्ति के लिए ॥

२. सांभले कीर्तन रे ..... खीजी रीसावे ।

३. भगवन् कृपया ..... दीनजनस्ततोऽज्जलिम् ॥

४. ''यस्यात्मबुद्धिः ..... एव गोखरः ॥'' - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

विभाग - २ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आपने मुझे कृतार्थ किया है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''इन साधुओं को डपटो क्योंकि ये हमेशा मुझे सताते रहते हैं ।''

३. ''वहीं खड़ी रह, देखती नहीं कि हम जा रहे हैं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. अमईदास कोठारी को धक्का - सा लगा ।

.....

.....

.....

.....

२. भगवान और संत किसी की जाति, आश्रम या सामाजिक स्थिति नहीं देखते ।

३. भरूच के गणपतभाई महुवा से लौटते समय रेलमार्ग से लौटना चाहते थे ।

प्र. ९ 'अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. क्रोधित हुए पवित्रानन्द स्वामी को प्रागजी भक्त ने क्या कहा ?

.....

.....

२. भगतजी महाराज के शिष्य मंडल के दो संत के नाम लिखिए ।

३. खानदेश में किस ने भगतजी को धारण कर लिया ?

४. स्वप्न में श्रीजीमहाराज के दर्शन होने पर पीज के मोतीभाई ने क्या किया ?

५. गढ़पुर में हरिकृष्ण महाराज की मूर्ति स्थापित करते वक्त प्रागजी भक्त ने आचार्य रघुवीरजी महाराज को कैसे प्रसन्न किया ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान ।

(१) ☐ कोठारी जीभाई की सन्मान में सहायता थी ।

(२) ☐ सन्मान का निश्चय जागा स्वामी ने किया ।

(३) ☐ जहाँ भगतजी का अपमान हुआ था, वहीं उनका भव्य स्वागत होना चाहिए ।

(४) ☐ तुमने तो स्वामी के चारों थनों का अमृत पी लिया ।

२. सत्संग से निष्कासित ।

(१) ☐ गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को ढाढ़स बंधाया ।

(२) ☐ प्रागजी को निष्कासित किया गया है, न कि इनके दाल और चावल को ।

(३) ☐ स्वामी आचार्य अयोध्याप्रसादजी महाराज के साथ ऊना पधारे ।

(४) ☐ गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को सत्संग में ले लेने की प्रार्थना की ।

३. सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग ।

(१) ☐ यह बालक तो जन्मजात भक्त हैं ।

(२) ☐ यह तो बहुत समर्थ है, महान है और हज़ारों से भगवान का भजन करवाएगा ।

(३) ☐ मेरे में ज्ञान बहुत भरा है । (४) ☐ वन का यह छोटा-सा मृग कहाँ से आया ?

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : **जूनागढ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुंददासजी** से **पूछा,** ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दंडवत् करते हैं ।''

१. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** रामनवमी के उत्सव के अवसर पर लाखों मुक्त गढ़डा मन्दिर में पधारे। सभामण्डप में चांदनी बंधी हुई थी । उसे देखकर स्वामी को जागा भक्त की याद आ गई ।

उ. .....

.....

२. **सत्संग में पुनः प्रवेश :** वरताल के समाहर्ता कोठारी गिरधरभाई के भतीजे गोवर्धनभाई मुमुक्षु थे । इस जीवन में ब्रह्मस्थिति सिद्ध करने के लिए 'स्वामी की वातुं' में कहे अनुसार सद्‌गुरु को खोजते फिरे ।

३. **गूदड़ी में लाल :** एक बार जब स्वामी गोंडल के क्षत्रिय दरबार वजेसिंह से बातें कर रहे थे । दरबार ! तुमने अवश्य देखा होगा कि केला केले के वृक्ष पर ही लगता है, किन्तु यहाँ तो कैक्टस पर आ रहा है ।

४. **साक्षात्कार :** इतने में प्रागजी भक्त के माता धाम में चले गए । प्रागजी भक्त की इच्छा घर जाने की न थी, किन्तु आचार्य महाराज ने घर जाने की आज्ञा दी । वे बारह वर्ष बाद महुवा लौटे ।

५. **सत्संग सुख :** एक बार सरल स्वभाव से भगतजी ने कहा : 'ये यज्ञपुरुषदासजी इस मन्दिर के महन्त होंगे ।' परन्तु साथ ही एक बात और कही, 'किन्तु तुम सब विज्ञानानंदजी की आज्ञा में रहना ।'

६. **अन्तिम लीला :** चाणसद के वैद्य दलसुखभाई आए । भगतजी को थोड़ी औषधि और घी दिया, किन्तु भगतजी ने लेने से मना कर दिया ।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**
http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm